Music

खण्ड–I (उच्च माध्यमिक स्तर)

- नाद–श्रुति–स्वर–सप्तक–ग्राम–जाति–थाट–राग–ताल–मात्रा–लय–तान–मूर्च्छना–गमक–कण स्वर–मींड–वादी–संवादी–अनुवादी–विवादी–अर्विभवि–तिरोभाव–अल्पत्व–बहुत्व–गायक–नायक –कलावंत–वाग्येकार–गत–रज़ियाखानीगत–मसीतखानीगत–तोड़ा–झाला–घसीट–जमजमा–आ लाप–जोड़ आलाप–चिकारी–लंघन–अलंघन।
- नाद की जाति एवं गुण– सीनियर सैकेण्ड्री स्तर के पाठ्यक्रम में वर्णित रागों की सम्पूर्ण जानकारी एवं तुलनात्मक अध्ययन–राग वर्गीकरण की विस्तृत जानकारी– सीनियर सैकेण्ड्री स्तर के पाठ्यक्रम में वर्णित तालों की सम्पूर्ण जानकारी– राग जाति वर्गीकरण की जानकारी–भातखण्डे एवं पं. व्यंकटमुखी के थाट व्यवस्था की विस्तृत जानकारी।
- पं. विष्णुदिगंबर पलुस्कर एवं पं. भातखंडे की स्वरलिपि पद्धतियों की जानकारी–वाद्य वर्गीकरण–निबद्ध एवं अनिबद्ध गान–गीत प्रकार–राजस्थानी लोक संगीत की सामान्य जानकारी–भारतीय संगीत के आधुनिक काल का इतिहास (स्वांत्रत्योत्तर कालीन)–राग समय चक्र–लयकारी।
- पं. भातखंडे, पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर, उस्ताद अलाउद्दीन खां एवं पं. ओंकार नाथ ठाकुर का जीवन परिचय एवं संगीत को योगदान।
- तानपुरा एवं तबले की सम्पूर्ण जानकारी।

खंड ॥ (स्नातक स्तर)

- श्रुति स्वर व्यवस्था प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक काल के संदर्भ में–ग्राम–राग वर्गीकरण–राग रागिनी वर्गीकरण–रागांग वर्गीकरण–मेलोडी–हारमोनी–स्वर सप्तक का क्रमिक विकास–ताल के दस प्राण–तानों के प्रकार–गमक के प्रकार–प्रबंध गायन–रागालाप–रूपकालाप–आलप्ति–गान–गीति एवं वाणी–दक्षिणी ताल पद्धति–कनार्टक संगीत पद्धति।
- स्वस्थान नियम–हिन्दोस्तानी संगीत के प्रमुख सिद्धान्त–आधुनिक आलाप गायन–पाश्चात्य स्वरलिपि पद्धति–मेजर,माईनर एवं क्रोमेटिक स्केल–पाश्चात्य एवं भारतीय स्वरों की आंदोलन संख्या।
- वाद्य वृन्द एवं वृन्द गान– प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक प्रमुख ग्रन्थ एवं ग्रन्थकार।

- दस थाटों के आश्रय रागों की सम्पूर्ण जानकारी– गायकों एवं वादकों के गुण दोष।
- शास्त्रीय नृत्यों की विभिन्न शैलियां–गायन एवं वादन के प्रमुख घरानों की विस्तृत जानकारी–भारतीय संगीत वाद्यों का उद्‌भव, विकास एवं विशेषताऐं–लोक संगीत एवं शास्त्रीय संगीत।

(खंड – III स्नातकोत्तर स्तर)

- कंठ संवर्धन–राग एवं रस सिद्धान्त–सौन्दर्य शास्त्र के सिद्धान्त भारतीय संगीत के सन्दर्भ में–कनार्टक संगीत के प्रमुख संगीतकार एवं शास्त्रकार–कनार्टक संगीत की गीत शैलियां–कनार्टक संगीत के प्रमुख वाद्य।
- संगीत का अन्य ललित कलाओं से संबंध।
- आधुनिक संगीतकारों के बारे में विस्तृत जानकारी।
- संगीत एवं मनोविज्ञान।

indiresult.in whatsapp - 9352018749